भारत पर्यावरण के साथ न्याय की मांग करता रहेगा : मोदी

- विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया संदेश
- विकसित देशों की गलत नीतियों का खामियाजा उठा रही दुनिया

नई दिल्ली, प्रेट्र : विकासशील और अविकसित देश कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों का खामियाजा उठा रहे हैं। भारत ऐसे विकसित देशों के समक्ष पर्यावरण संबंधी उनकी गलत नीतियों को उठाता रहेगा और उनसे पर्यावरण के साथ न्याय करने की मांग करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात विश्व पर्यावरण दिवस पर दिए अपने वीडियो संदेश में कही है।

मोदी ने कहा, स्वार्थों से ऊपर उठकर वैश्विक पर्यावरण की सुरक्षा करना सभी देशों का दायित्व है। विकसित राष्ट्रों का विकास का माडल बहुत लंबे समय तक विरोधाभासी रहा है। इस दौरान इन देशों ने खुद के विकास को प्राथमिकता दी और पर्यावरण को हो रहे नुकसान व भविष्य की दुष्परिणामों की आशंका को भुलाए रखा। इस तरह से इन देशों ने विकास के लक्ष्यों को तो प्राप्त कर लिया लेकिन पूरे विश्व के पर्यावरण ने उसका मूल्य चुकाया। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब व विकासशील देशों के लोग, पशु-पक्षी और वनस्पति हुए। कुछ विकसित देश आज भी गलत नीतियों पर चलना जारी रखे हुए हैं। दशकों तक विकसित देशों के इस आचरण पर किसी ने सवाल नहीं उठाया, उससे स्थिति बिगड़ती चली गई लेकिन अब भारत यह सवाल उठा रहा है और पर्यावरण के साथ न्याय किए जाने की मांग कर रहा है।

पीएम ने कहा, भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति प्रकृति की रक्षा और उसके पोषण का संदेश देती है। भारत परिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ विकास का पक्षधर है। भारत अपने आधारभूत ढांचे का विकास कर रहा है लेकिन उसी के साथ पर्यावरण सुरक्षा के उपाय भी कर रहा है। भारत ने जहां देश में मोबाइल फोन की 4 जी और 5 जी कनेक्टिविटी बढ़ाई है, सड़कों का विकास किया है, वहीं देश का वन क्षेत्र भी बढ़ाया है। इससे देश का समानुपाती विकास हो रहा है और किसी को कोई नुकसान भी नहीं हो रहा है।

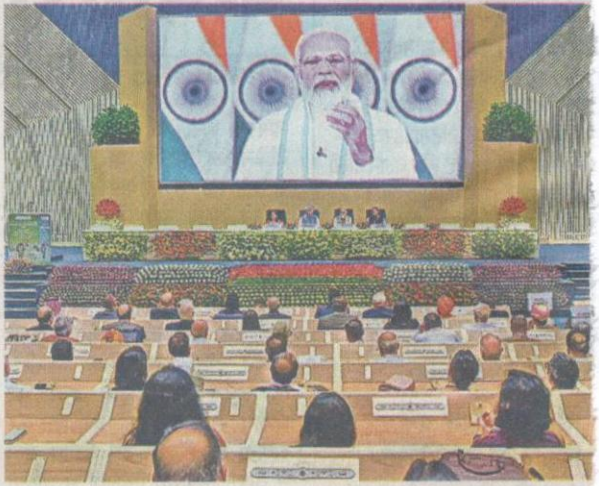

नई दिल्ली में सोमवार को विज्ञान भवन में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो संदेश प्रसारित हुआ • एएनआइ

nwda.gov.in